लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 16-30 जून 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -44

"सच बोलने का सबसे बड़ा फायदा है कि याद रखना नहीं पड़ता कि किससे, कहां और क्या कहा था:

: राबर्ट बेर्न्स

शिक्षा नीतियों के सकारात्मक परिणाम 3

हरियाणा के खिलाड़ियों पर है पूरे देश को नाज़ 4

मुख्यमंत्री आवास कहलाएगा 'संत कबीर कुटीर' 7

खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021

हरियाणा ने रचा इतिहास

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि

खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 का समापन हो गया। प्रदेश की मेजबानी में हुई राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक अपनी झोली में डालकर इतिहास रच दिया। महाराष्ट्र दूसरे व कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहे। 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के आठ हजार से ज्यादा खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन से अभिभूत खिलाड़ियों को उम्मीद है कि वे आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का गौरव बढ़ाएंगे। खिलाड़ी, कोच, प्रशिक्षक व खेल अधिकारियों ने कहा कि वे हरियाणा की माटी से ऐसा अनुभव लेकर जा रहे हैं जो भविष्य में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी उम्मीद जताई कि खेलो इंडिया प्रतियोगिताएं नवोदित खिलाड़ियों की उम्मीदों को नए पंख लगाने का काम करेंगी।

हरियाणा खेल अकादमी बनाने का एलान

पंचकूला के इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 के भव्य समापन अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा में खेल अकादमी बनाने की घोषणा की। इसमें देश भर के खिलाड़ी प्रशिक्षण ले सकेंगे।

उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए पंचकूला में एक होस्टल खोला जाएगा, जिसमें 200 खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था होगी। इसके जरिए खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं देने के साथ ही उन्हें खेल में पारंगत करेंगे। मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया में हरियाणा के मेडल विजेता खिलाड़ियों को मिलने वाली ईनाम राशि को भी दोगुना करने की घोषणा की। गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को एक लाख रुपए, सिल्वर मेडल विजेता को 60 हजार और ब्रोंज मेडल लाने वाले खिलाड़ी को 40 हजार रुपए मिलेंगे। यही नहीं खेलों में हिस्सा लेने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के रूप में 5-5 हजार रुपए मिलेंगे।

मनोहर लाल ने कहा कि 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिताओं का हरियाणा में आयोजन अत्यंत महत्व रखता है क्योंकि इस समय खेल जगत में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की एक अलग पहचान है। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जताई कि हम सब मिलकर इस आयोजन को यादगार बनाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं के परिणाम से स्पष्ट है कि हरियाणा में खेल प्रतिभाओं की भरमार है। उनको मौके मिलने की दरकार है, जिस पर राज्य सरकार पूरा ध्यान दे रही है।

राज्य सरकार खिलाड़ियों को बचपन से ही तराशने की नीति पर काम कर रही है। वे खिलाड़ियों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृत-संकल्प हैं। प्रदेश सरकार ने ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर पर खेलों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया है। प्रदेश में साल भर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए खेल कैलेंडर भी तैयार किया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जो पदक विजेता खिलाड़ियों को सर्वाधिक नकद पुरस्कार राशि देता है।

सफल आयोजन के लिए बधाई

केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के सफल आयोजन के लिए हरियाणा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया में बने 12 नेशनल रिकॉर्ड बताते हैं कि आयोजन कितना सफल रहा है। ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को मौके मिलें। खेलो इंडिया 2022 और खेलो इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स 2022 भी जल्द आयोजित होंगे।

खेलो इंडिया से प्रदेश का नाम रोशन हुआ

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 में देश भर से आए सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों व जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने खेलो इण्डिया यूथ गेम्स - 2021 के इस बड़े समागम की सफलता के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल व उनकी पूरी टीम के साथ-साथ इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि इस आयोजन से प्रदेश का नाम रोशन हुआ तथा प्रदेश में खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं।

परिणाम

राज्य	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक	कुल
हरियाणा	52	39	46	137
महाराष्ट्र	45	40	40	125
कर्नाटक	22	17	28	67

हरियाणा ने जीते पदक

खेल	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक	कुल
कुश्ती	16	10	12	38
बॉक्सिंग	10	3	2	15
एथलेटिक्स	3	6	5	14
जूडो	3	4	4	11
साइक्लिंग	2	-	6	8
स्विमिंग	4	2	2	8
शूटिंग	3	2	2	7
वेटलिफ्टिंग	4	2	1	7
योगासन	1	-	5	6
थांग ता	-	1	3	4
गतका	1	3	-	4
हैंडबॉल	1	1	-	2
हॉकी	1	-	-	1
आर्चरी	1	1	-	2
बैडमिंटन	1	-	1	2
फुटबॉल	-	-	1	1
जिम्नास्टिक्स	-	-	1	1
कबड्डी	1	1	-	2
टेबल टेनिस	-	1	-	1
टेनिस	-	-	1	1
वॉलीबॉल	-	2	-	2
कुल	52	39	46	137

आभार हरियाणा - धन्यवाद पंचकूला

हरियाणा की मेजबानी से गदगद हुए खिलाड़ी, कोच, प्रशिक्षक व अधिकारी

खेलो इंडिया के लिए 36 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों से आए खिलाड़ियों को हरियाणा की मेजबानी बेहद पसंद आई। नवीनतम खेल सुविधाओं व एथलीट की आवश्यकता अनुसार पौष्टिक भोजन, रहने-ठहरने तथा स्टेडियम तक वाहनों की खास व्यवस्था रही। इतना ही नहीं, मनोरंजन के लिए हर रोज शाम को रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'चैफ दि मिशन', कोच व भारतीय खेल प्राधिकरण के विशेषज्ञों को भी यहां की भव्य मेजबानी पंसद आई।

खिलाड़ियों के लिए पौष्टिक भोजन की बेहतरीन व्यवस्था की गई थी। प्रतिदिन लगभग 8500 एथलीट एवं उनके सहायक स्टाफ के लिए भोजन तैयार किया गया। खिलाड़ियों ने हरियाणा सरकार द्वारा की गई भोजन व अन्य व्यवस्थाओं की जमकर तारीफ़ की।

आयोजन में पहुंचे सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से आए खिलाड़ियों ने अपनी पसंद के अनुरूप पौष्टिक भोजन का आनंद लिया और अपने बेहतर खेल प्रदर्शन से दर्शकों को उत्साहित कर आनंद का अनुभव भी करवाया। हर राज्य का खिलाड़ी हरियाणा के दर्शकों की तारीफ भी कर रहा था ।

एथलीट्स की पौष्टिक आहार की आवश्यकता को देखते हुए कैटरिंग के विशेष प्रबंध किए गए। खिलाड़ियों को सुबह के नाश्ते में अंडा, दूध, फलाहार के अलावा दक्षिण व उत्तर पूर्वी राज्यों की आवश्यकतानुसार भोजन दिया गया।

मोहन लाल धाकड़, जो खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आए ने बताया कि इन खेलों में व्यवस्थाओं के तहत आवास, आने-जाने और भोजन की व्यवस्था शानदार की गई। खिलाड़ियों को डाइट के अनुसार खुराक अर्थात भोजन दिया गया।

लद्दाख से बॉक्सिंग खिलाड़ी शांतनु डाटू ने बताया कि यहां पर खिलाड़ियों को बहुत ही अच्छा भोजन दिया गया। प्रोटीन इत्यादि को देखते हुए पोष्टिक भोजन परोसा गया। मुंबई से आई तमन्ना संघवी ने बताया कि नाश्ते में प्रोटीन पर विशेष ध्यान दिया गया । इसी प्रकार, दोपहर और रात के भोजन में वेज और नॉनवेज भोजन खिलाड़ियों और अन्य लोगों के लिए तैयार किया गया। प्रतियोगिता के दौरान 11 सौ खिलाड़ी चोटिल हुए। इन खिलाड़ियों के लिए फिजियोथेरेपिस्ट सहारा बने । उनका तत्काल इलाज किया। महज 38 खिलाड़ी ही ऐसे थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।

संपादकीय

देश भर में 'खेलो इंडिया' की धूम

खेलों की दुनिया में अब हरियाणा अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनता जा रहा है। 'खेलो इंडिया' के माध्यम से अब एक ऐसा आधारभूत ढांचा विकसित हो चुका है जिसकी सराहना पूरे देश के खेल जगत में हो रही है।

हरियाणा के धाकड़ 'छोरों' व 'छोरियों' ने अपना डंका बजाते हुए सर्वाधिक स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक हरियाणा की झोली में डाले, जिसमें से अनेक पदक यहां की लड़कियों के नाम रहे। कुश्ती के फाइनल मुकाबलों में छोरे व छोरियों ने पांच में से चार गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसके अलावा दो रजत व दो कांस्य पदकों पर भी कब्जा किया। कुश्ती के फाइनल मुकाबलों में छोरे व छोरियों ने पांच में से चार गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इसके अलावा दो रजत और दो कांस्य पदकों पर भी कब्जा किया।

हरियाणा में इस खेल-क्रांति के स्पष्टतया दो कारण हैं। पहला कारण प्रदेश के मुख्यमंत्री की स्वरूचि व उनके मंत्रियों, कुछेक उच्चाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और दूसरा कारण है खिलाड़ियों को मिलने वाला भरपूर प्रोत्साहन। अब खिलाड़ियों को भी अपने परिवेश में भरपूर सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यद्यपि उन्हें प्रतिस्पर्धाओं के लिए पसीना बहाना होता है।

खेल संस्कृति जहां एक ओर जूझने की प्रवृत्ति जगाती है, वहां दूसरी ओर खेल-भावना को भी बढ़ावा देती है। हारने वाला विजेता से हाथ मिलाता है या गले मिलता है। खिलाड़ियों का एक परिवार सा बन जाता है। दूसरा सकारात्मक पहलू यह भी है कि खेल हरियाणा में लिंगभेद की समाप्ति का एक ठोस आधार बन चला है। कुश्ती, हॉकी एवं अन्य अनेक 'एथलेटिक्स' खेल स्पर्धाओं में हरियाणा की 'छोरियां', हरियाणा के 'छोरे' से कहीं आगे रही हैं।

अब आवश्यकता इस बात की है कि हरियाणा में कुछ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के अवदान पर लिखा भी जाए। पुस्तकें छपें या 'ऑनलाइन' की जाएं ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए खिड़कियां खुलें और यह भी पता चले कि कहां-कहां, किस-किस क्षेत्र में उनकी प्रतीक्षा हो रही है।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

परियोजनाओं पर गंभीरता से कार्य करने के दिशा-निर्देश

'अमृत सरोवर पोर्टल' तथा 'ग्रीवेंसिज रिड्रेसल मैकेनिज्म पोर्टल' लॉन्च

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 'अमृत सरोवर पोर्टल' तथा 'ग्रीवेंसिज रिड्रेसल मैकेनिज्म पोर्टल' को लॉन्च किया। इनमें 'अमृत सरोवर पोर्टल' पर प्रदेश में बनाए जा रहे तालाबों की अपडेट्स लाइव होंगी। हरियाणा में 1,650 तालाब तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, 'ग्रीवेंसिज रिड्रेसल मैकेनिज्म पोर्टल' पर तालाब की जमीन पर अतिक्रमण, कब्जा एवं दूसरी शिकायतें अपलोड की जा सकेंगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उक्त दोनों पोर्टल का उद्घाटन करने के बाद प्रदेशभर के सभी जिला उपायुक्तों एवं मंडल आयुक्तों की बैठक की अध्यक्षता की जिसमें मुख्यमंत्री ने अंत्योदय परिवार उत्थान योजना, प्रोपर्टी आईडी, स्वतः वृद्धावस्था पेंशन बनाकर शुरू करने, आर्म्स लाईसेंस तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रदेश में चौवा (ऊपर जलस्तर वाले क्षेत्र) वाले एरिया के लिए स्पेशल योजना बनाएं ताकि किसानों की फसल ख़राब न हो और चौवा का पानी किसी अन्य कार्य में प्रयुक्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के साथ लगते जिलों में 50-60 एकड़ के क्षेत्र में झील आदि बनाने की संभावनाएं भी तलाशें ताकि ज़मीन के रिचार्ज के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिक से अधिक तालाबों की मनरेगा के तहत खुदाई करवाने के निर्देश दिए।

डायल 112: दस माह में 46 लाख ने पाई मदद

हरियाणा प्रदेश में वर्ष 2021 और 2022 के बीच राज्य सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक ''हरियाणा 112'' के माध्यम से प्रदेश में आपातकालीन सेवा वितरण प्रणाली के स्तर को और अधिक ऊपर उठाने की दिशा में एक अभिनव पहल देखी गई है।

12 जुलाई 2021 को नागरिकों को समर्पित की गई इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से लगभग 10 माह की छोटी सी अवधि में 46 लाख नागरिकों की मदद कर एक नया मील का पत्थर हासिल किया है।

ए.एस. चावला, जो हरियाणा 112 के स्टेट नोडल अधिकारी भी हैं, ने आज यहां बताया कि साइबर हेल्पलाइन नंबर 1093 को आज हरियाणा 112 से जोड़ा गया है जो हरियाणा 112 ईआरएसएस परियोजना के लिए एक नया मील का पत्थर है। राज्य भर से 1093 से संबंधित कॉलों की लैंडिंग 112 पर शुरू हो गई है। हरियाणा 112 प्रणाली में 1093 सेवा से संबंधित मानक संचालन प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक शामिल किया गया है, ताकि पीड़ितों को तत्काल और जवाबदेह आपातकालीन सेवाएं प्रदान की जा सकें।

उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के बीच हरियाणा 112 की स्वीकृति की गति में भी तेजी से वृद्धि हुई है। जहां अगस्त 2021 में कॉलों की संख्या 3,87,799 थी वहीं यह आंकड़ा मई 2022 में बढ़कर 5,03,369 पहुंच गया है। प्रदेशवासियों से प्राप्त फीडबैक रिपोर्ट से पता चलता है कि संतुष्टि का स्तर अगस्त 2021 में 91.23 प्रतिशत से बढ़कर मई 2022 में 94.88 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा 112 का आदर्श समाज के सभी वर्गों की आपातकालीन जरूरतों को पूरा करना है। इस संबंध में, राज्य आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र (एसईआरसी) में मूक-बधिर लोगों के लिए वीडियो कॉल और मैसेजिंग ऐप सुविधा से लैस एक विशेष सेल की स्थापना की गई है। ऐसी कॉलों से निपटने के लिए एसईआरसी में चौबीसों घंटे सांकेतिक भाषा विशेषज्ञों को तैनात किया गया है। अब दिव्यांगजन भी 112 पर एसएमएस भेजकर या पैनिक बटन दबाकर या 112 डायल करके 5 सेकंड के बाद 8 बटन दबाकर हरियाणा 112 सिस्टम से संपर्क साध रहे हैं।

पद्म पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित

गणतंत्र दिवस 2023 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए 15 सितंबर 2022 तक आवेदन किया जा सकता है। नामांकन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल awards.gov.in पर ही ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

पद्म पुरस्कार अर्थात् पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक जानकारी गृह मंत्रालय की वेबसाइट mha.gov.in और पद्म पुरस्कार पोर्टल padmaawards.gov.in पर उपलब्ध हैं।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

अक्तूबर माह तक होगा ई ऑफिस का नया वर्जन-7 लागू

हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा है कि सरकारी कार्यालयों की फाइलों को ई ऑफिस के माध्यम से आगे बढ़ाए जाने का कार्य जारी है। इसमें और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए ई ऑफिस का नया वर्जन-7 अक्तूबर माह तक शुरू कर दिया जाएगा ताकि किसी भी व्यक्ति के काम में कोई विलंब नहीं हो। संजीव कौशल ई ऑफिस प्रक्रिया के क्रियान्वयन के संबंध में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ई ऑफिस का नया वर्जन-7 टेबलेट व आईपेड में भी खुल सकेगा और इसमें एक ही समय पर कई डॉक्यूमेंट्स एक साथ खोले जा सकेंगे। इसके अलावा, इसमें बोलकर लिखने की सुविधा और पैराग्राफ रेफरेंसिंग फीचर भी उपलब्ध होंगे। हिंदी व अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में कार्य करने की सुविधा भी होगी। उन्होंने कहा कि इससे सरकारी दफ्तरों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विजन के अनुरूप सरकारी कार्यालयों में ई ऑफिस लागू करते हुए उन्हें पेपरलेस किया जाना है। इसे अब तक प्रदेश के 146 विभागों, बोर्ड एवं कारपोरेशनों में लागू किया जा चुका है। इनमें 123 विभाग व 22 सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ई ऑफिस के 32 हजार से अधिक उपयोगकर्ता हैं जिनके लिए 6 से 8 टेराबाईट डाटा भण्डारण हेतू बढ़ाया गया है।

मुख्य सचिव ने कहा कि वित्त विभाग द्वारा 75 प्रतिशत तथा मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा 61 प्रतिशत कार्य ई ऑफिस के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक ई आफिस का वर्जन-5.6 लागू है। इसे अक्तूबर माह तक नये वर्जन-7 में अपग्रेड कर सभी विभागों में लागू किया जाएगा। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि ई ऑफिस के सुचारू क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण वीडियो क्लिप भी तैयार की जाएं ताकि सभी अधिकारी व कर्मचारी इनका समय-समय पर प्रयोग कर सकें।

प्रदेश ने सभी संस्कृत संस्थाओं को निर्देश किया है कि अपनी-अपनी पाठशालाओं में पांच दिन या सात दिन का संस्कृत संभाषण शिविर 20 जुलाई तक निश्चित रूप से लगाएं जिससे संस्कृत भाषा का प्रचार- प्रसार हो सके।

मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने पर भाजपा ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों और चल रही योजनाओं को लेकर एक पॉकेट साइज बुकलेट लांच की है। फरीदाबाद में इस पुस्तिका का विमोचन किया।

शिक्षा नीतियों के सकारात्मक परिणाम

प्रबंधन, चिकित्सा, इंजीनियरिंग व अन्य क्षेत्रों में आगे आ रही प्रतिभाएं

मनोज प्रभाकर

योग्यता के आधार पर नौकरी के संकल्प का परिणाम सामने आ रहा है कि प्रदेश के युवाओं ने पढ़ने-पढ़ाने पर पूरा ध्यान दिया है। वे न केवल प्रशासनिक सेवाओं में बल्कि चिकित्सा, इंजीनियरिंग व अन्य क्षेत्रों में भी सफलता का परचम लहरा रहे हैं।

हरियाणा के युवाओं में भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रति रुझान तेजी से बढ़ा है। इस बात का अंदाजा संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में प्रदेश के युवाओं की सफलता से लगाया जा सकता है। यूपीएससी की ओर से 2021 में ली गई सिविल सर्विस परीक्षा के परिणाम में हरियाणा के दर्जनों युवाओं ने सफलता पाई है। हरियाणा की बेटियों के साथ-साथ इस बार बेटों ने भी इस परीक्षा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। हालांकि भौगोलिक दृष्टि से हरियाणा देश का एक छोटा राज्य है, बावजूद इसके हरियाणा से यूपीएससी, जेईई और एनईईटी पास करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी है। हरियाणा में युवाओं का शिक्षा के माध्यम से सपने पूरे करने का रूझान निरंतर बढ़ा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार की नीतियों से ही यह संभव हो पाया है।

प्रदेश सरकार में शिक्षा के क्षेत्र में नीतिगत बदलाव किए हैं, साथ ही कई नई योजनाएं भी शुरू की हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम आने शुरू हो गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने 'मेधावी' के नाम से उन विशिष्ट छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक पहल शुरू की है, जो सार्वजनिक सेवाओं में आगे बढ़ने की इच्छा रखते हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने चेतन भारत लर्निंग और अभ्युदय कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से एक पहल की है, जो एचसीएस जैसी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग प्रदान करेगा। हरियाणा के छात्रों को यूट्यूब पर मुफ्त अध्ययन सामग्री स्ट्रीमिंग और वेबसाइट के माध्यम से आवश्यक सहायता प्राप्त होगी। इस पहल में यूपीएससी सिविल सेवा, इंजीनियरिंग, हरियाणा सरकार से संबंधित परीक्षाएं और बैंकिंग/एसएससी परीक्षा शामिल है। छात्र सीधे वेबसाइट से व्याख्यान भी डाउनलोड कर सकेंगे। यूपीएससी उम्मीदवारों की मदद करने और उन्हें कुशल अध्ययन सामग्री से लैस करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

खेलों में ताकत लगती है और पढ़ाई में दिमाग

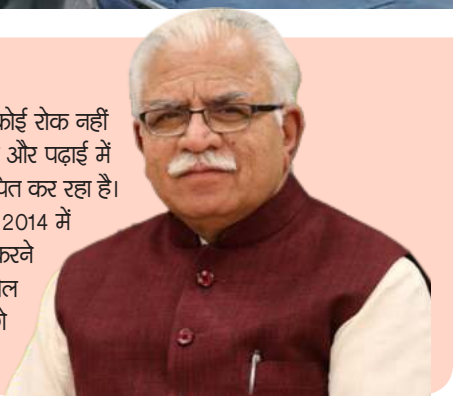

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यदि किसी के पास प्रतिभा है, तो उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। वह चाहे ग्रामीण अंचल से ही क्यों ना हो। उन्होंने कहा कि खेलों में ताकत लगती है और पढ़ाई में दिमाग। हरियाणा इन दोनों में तालमेल बैठाते हुए आगे बढ़ रहा है और नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर खेल, हरियाणा का डंका पूरे देश में बज रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब राज्य का समग्र और समान विकास सुनिश्चित करने की उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता थी। राज्य सरकार द्वारा कई नई अनूठी योजनाएँ बनाई जो आज मील का पत्थर साबित हुई हैं। हर्ष का विषय है कि प्रदेश के युवा यूपीएससी परीक्षाओं में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

डिजिटल लर्निंग से शिक्षा में नए परिवर्तन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया प्लेटफार्म को आगे बढ़ाने की दिशा में हरियाणा ने एक और पहल करते हुए पंचकूला में राष्ट्र स्तरीय डिजिटल लर्निंग ई-लेट्स एजूकेशन इनोवेशन समिट का आयोजन कर कोविड के बाद अध्यापन व अध्ययन में सूचना प्रोद्यौगिकी के महत्व के पहलुओं पर चर्चा की। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि कोविड के बाद हर प्रदेश अपने अध्यापन व अध्ययन के तौर-तरीकों पर अलग-अलग तरह से कार्य कर रहे हैं। इससे एक-दूसरे को अलग-अलग जानकारियां प्राप्त होंगी।

कार्यशाला में जारी की गई डिजिटल लर्निंग की पुस्तिका एक उपयोगी दस्तावेज़ है, जिसमें विश्वभर में हो रहे शिक्षा परिवर्तनों की जानकारी दी गई है। नई शिक्षा नीति 2020 को देश में सबसे पहले क्रियान्वित करने की हरियाणा ने पहल की है और कहीं न कहीं आज का समिट भी उसी का हिस्सा है। शिक्षा मंत्री ने डिजिटल लर्निंग सोल्यूशन, डिजिटल क्लासरूम सोल्यूशन, डिजिटल बोर्ड सोल्यूशन, डिजिटल लैंगवेज लैब सोल्यूशन, सिक्योरिटी एण्ड सर्विलांस सोल्यूशन, स्कूलनैट, लर्निंग फॉर लाईट पर लगाई गई ई-एक्पो का अवलोकन भी किया।

सुपर-100 कार्यक्रम

प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले होनहार विद्यार्थियों के लिए सुपर-100 कार्यं म चलाया जा रहा है। मेधावी विद्यार्थियों का करियर बनाने के लिए शिक्षा विभाग का सुपर-100 कार्यक्रम एक अनूठा प्रयास है। इसके तहत आईआईटी व नीट की फ्री कोचिंग दी जाती है। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया सुपर- 100 कार्यक्रम ना केवल होनहार छात्रों को अपने सपनों को प्राप्त करने में मदद कर रहा है बल्कि उनके जैसे योग्य छात्रों में आशा की एक किरण भी जगी है कि वे भी अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि परिवार पहचान पत्र के अन्तर्गत जिन परिवारों की सत्यापित आय 1.80 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम है, ऐसे परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिलेगी।

टैबलेट मुहैया करवाए

सरकार ने हाल ही में 'ई-अधिगम' योजना का शुभारंभ करते हुए सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित कर शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति का सूत्रपात किया है। इसके तहत 5 लाख बच्चों को टैबलेट मुहैया करवाए गए। विद्यार्थी टैबलेट, फ्री इंटरनेट और पर्सनलाइज्ड अडेप्टिव लर्निंग (पीएएल) की सहायता से न केवल अपनी बोर्ड परीक्षा को अच्छे अंकों से पास करेगा बल्कि नीट, जेईई व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर सकेगा। इससे विद्यार्थी को अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने में भी सहायता मिलेगी। पढ़ाई के अतिरिक्त और भी कौशल है जो इस टैबलेट से प्राप्त होंगे।

लड़ाकू हैलीकॉप्टर की पहली महिला पायलट

डिप्टी सीएम से मिली पायलट अभिलाषा

हरियाणा को अपनी बेटियों पर नाज है। राज्य की होनहार बेटियां खेल व पढ़ाई के साथ-साथ सेना में भी शामिल होकर प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं। इस बात को हरियाणा के रोहतक जिला के गांव बालंद की रहने वाली अभिलाषा बड़क ने साबित किया है। वे लड़ाकू हैलीकॉप्टर की देश की पहली महिला पायलट हैं।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने उनसे उनके कार्यालय में मिलने आई लड़ाकू हैलीकॉप्टर की पायलट अभिलाषा बड़क से अनौपचारिक बातचीत की। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पायलट अभिलाषा को लड़ाकू हैलीकॉप्टर की देश की पहली महिला पायलट बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अभिलाषा देश एवं प्रदेश की उन बेटियों के लिए प्रेरणा साबित होंगी जो सेना में भर्ती होकर देश-सेवा में सहयोग देने की इच्छा रखती हैं। संयोग की बात है कि अभिलाषा बड़क भी उसी स्कूल की विद्यार्थी रही हैं जिस 'लारेंस स्कूल, सनावर' के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला विद्यार्थी रहे हैं। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री अपने स्कूली दिनों के साथियों व सहयोगियों से सोशल मीडिया के माध्यम से कनेक्ट रहते हैं।

इस अवसर पर पायलट अभिलाषा बड़क के साथ उनके पिता रिटायर्ड कर्नल ओम सिंह बड़क भी थे।

मान्यता है कि खो-खो खेल का उदय महाभारत काल के दौरान हुआ। कहते हैं खो-खो की उत्पति अभिमन्यु चक्र से प्रेरित होकर हुई थी। खो-खो को पहले बिना पोल के खेला जाता था परंतु इसके नियमों में लगातार सुधार होता गया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पंचकूला में 'संत कबीर कुटीर' से प्रदेश के लिए 'सुजल' पहल का शुभारंभ किया। वाटर सप्लाई मैनेजमैंट की दिशा में आरंभ की गई राज्य की यह अनूठी पहल जल संरक्षण के क्षेत्र में बैंचमार्क साबित होगी।

हरियाणा के खिलाड़ियों पर है

खेलो इंडिया चौथे संस्करण के रंगारंग आगाज़ पर मुख्यतिथि अमित शाह बोले

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूरे देश को हरियाणा के खिलाड़ियों पर नाज ही नहीं अपितु अभिमान है। हरियाणा के लिए हर्ष की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया यूथ गेम के चौथे संस्करण की मेजबानी का मौका 'खेल कैपिटल' कहे जाने वाले हरियाणा को दिया। खेलो इंडिया ने देशभर के खिलाड़ियों को बहुत बड़ा मंच दिया है।

उन्होंने कहा कि कोई भी युवा जो स्कूल या कॉलेज में पढ़ता है, वह खेलो इंडिया में भाग ले सकता है। यदि कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने से कोई नहीं रोक सकता। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा की धरती से वीरेंद्र सिंह, संदीप सिंह, सरदार सिंह, रानी रामपाल, रमेश कुमार जैसे अनेक खिलाड़ी निकले हैं, जिन्होंने भारत को मेडल दिलाने का काम किया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने खेलों में भी देश को आगे बढ़ाया है। आज खेलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर में काफी विकास हुआ है। इसके साथ-साथ खेल संघों को मजबूत किया गया है। आज खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है। इसके अतिरिक्त उन्हें बेहतर ट्रेनिंग भी दी जा रही है। खिलाड़ियों को अलग-अलग सुविधाएं व सहायता मिल रही हैं। प्रधानमंत्री के इन प्रयासों के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं।

प्रधानमंत्री ने खेल बजट में किया इजाफा

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों के लिए खेल बजट में इजाफा किया है। 2014 में खेल का बजट 866 करोड़ रुपये था, इसे बढ़ाकर 2022 में 1993 करोड़ रुपये किया है। इसके परिणाम अब साफ नजर आ रहे हैं। ओलंपिक खेलों में 2016 में जहां महज 2 पदक आए थे, वहीं 2021 में 7 पदक आए हैं। इसी तरह पैरालंपिक में 2014 में महज 4 पदक आए थे, जो 2021 में बढ़कर 19 पदक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में 2014 के अंदर 15 मेडल आए थे, जो 2018 में बढ़कर 26 हो गए हैं। इसी तरह एशियाई खेलों में 2014 के अंदर 57 मेडल आए थे, जो 2018 में बढ़कर 70 पदक हो गए हैं। और अब भारत ने पहली बार थामस कप में स्वर्ण पदक जीता है।

मल्लखम्ब की शुरूआत

मल्लखम्ब को शरीर साधना की अति प्राचीन विद्या के रूप में जाना जाता हैं, जिसका उल्लेख सन 1135 में चालुक्य द्वारा लिखे ग्रंथ ''मानसोल्लास'' में भी मिलता है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मल्लखम्ब के तीन प्रकार के इवेंट आयोजित किए गए जिसमें लडकियों के लिए दो इवेंट, पोल मल्लखम्ब और रोप मल्लखम्ब तथा लडकों के लिए तीन इवेंट पोल, रोप और हैंगिंग मल्लखम्ब शामिल हैं।

मल्लखम्ब फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. रमेश इंदोलिया के अनुसार मल्लखम्ब प्रतियोगिता में टीम प्रतियोगिताएं, व्यक्तिगत प्रतियोगिताएं व अपरेटस प्रतियोगिताएं हुई जिनमें 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। मल्लखम्ब में खिलाड़ी को 60 से 90 सेंकेंड का समय दिया जाता है, जिसमें उसे विभिन्न प्रकार की 18 से 24 मुद्राएं बनानी होती हैं। डी-1,डी-2 जज मुद्राओं को जांचते हैं और ई-1,ई-2 तथा ई-3 ऐलीमेंट में गलतियों को जांचते हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मल्लखम्ब को पहली बार शामिल किया गया है और आने वाले समय में इस खेल के पैरालम्पिक और ओलंपिक में शामिल होने की पूरी संभावना है। इंदोलिया के अनुसार मल्लखम्ब में भारत विश्व विजेता हैं और आने वाले समय में भी भारत विश्व विजेता बने रहने की उम्मीद है।

जलभराव से प्रभावित भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा। इसके लिए सौर ऊर्जा पर आधारित वर्टिकल जल निकासी प्रणाली को लागू किया जाएगा, जिससे बारिश और सेम का पानी निकालकर नजदीकी ड्रेन में डाला सके।

हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को दी जाने वाली शगुन राशि में बढ़ोतरी की है। बीपीएल वाले अनुसूचित जाति के परिवारों को कन्यादान के तौर पर अब 71 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

है पूरे देश को नाज़

खेलो इंडिया

छोरियों ने किया कमाल

हरियाणा की छोरियों ने पहलवानी, बॉक्सिंग, हॉकी, बैडमिटन प्रतियोगिताओं व अन्य खेलों में भी पदक हासिल करके राज्य का नाम रोशन किया। बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में छोरियों ने छोरों के मुकाबले दो अधिक स्वर्ण पदक हासिल किए।

बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में रोहतक की उन्नति हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने वर्ल्ड की चौथे नंबर की रैंकिंग वाली खिलाड़ी तसनीम मीर को हराकर गोल्ड मेडल जीता है। गर्ल्स हॉकी का फाइनल मैच हरियाणा और उड़ीसा के बीच खेला गया, जिसमें हरियाणा की छोरियों ने उड़ीसा को 4-1 से हराकर एकतरफ़ा जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक जीता।

बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 45-48 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की गीतिका ने उत्तर प्रदेश की रागिनी उपाध्याय को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रकार, 48-50 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की तमन्ना ने पंजाब की सुविधा भगत को 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी प्रकार, 52-54 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की नेहा ने उत्तराखंड की आरती धरिया को 5-0 से मात देकर स्वर्ण पदक हरियाणा की झोली में डाला। 54-57 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की प्रीति ने मणिपुर की हुईर्डो ग्रीविया देवी को पहले ही राउंड में नॉक आउट कर अपनी जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा, 57-60 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की प्रीति दहिया ने राजस्थान की कल्पना को 4-1 से हराकर स्वर्ण पर कब्जा किया। 66-70 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की लशु यादव ने दिल्ली की शिवानी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा, 50-52 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की नीरू खत्तरी ने रजत और 63-66 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की मुस्कान ने रजत पदक जीता।

पहलवानी में छोरियां भी छोरों से पीछे नहीं

खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के दौरान खेले गए कुश्ती मैच में हरियाणा का पूरी तरह से दबदबा रहा। पहलवानी में छोरियों ने दिखाया कि म्हारी छोरियां छोरों से कम नहीं। 46 किलोग्राम भार वर्ग लड़कियों के फाइनल मैच में भी दोनों खिलाड़ी हरियाणा के थे। तनु ने स्नेहा को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया और स्नेहा को रजत मिला। 57 किलोग्राम भार वर्ग लड़कियों की कुश्ती में हरियाणा की ज्योति ने महाराष्ट्र की प्रगति गायकवाड़ को 7-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी स्पर्धा में हरियाणा की अंजलि ने महाराष्ट्र की साक्षी पाटिल को हराकर कांस्य पदक जीता।

कलरीपायट्टू पहली बार खेलो इंडिया में शामिल

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वदेशी खेल कलरीपायट्टू को पहली बार शामिल किया गया। ऐसा माना जाता है कि इस परंपरागत कलरीपायट्टू खेल से प्राचीन काल में मार्शल आर्टस का उदय हुआ और इस प्रकार कलरीपायट्टू को मार्शल आर्टस की जननी भी कहा जाता है। ऐसा भी माना जा रहा है कि इस खेल की शुरूआत भगवान परशुराम ने की थी।

पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में 10 जून से 13 जून के बीच आयोजित कलरीपायट्टू प्रतियोगिता में 13 राज्यों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। हरियाणा से 5 खिलाड़ी शामिल हैं। इस स्वदेशी खेल में विशेष प्रकार के मुद्राओं व शरीर के आकार बनाकर संघर्ष किया जाता हैं। कलरीपायट्टू में वेथारी के तहत मौखिक कमांड के तहत खेला जाता हैं और मेथारी में कूद व शरीर के विभिन्न आकारों को बनाकर द्वंद्वी के साथ लड़ा जाता है। इसी प्रकार, कलथारी के तहत विभिन्न प्रकार की स्टिक का प्रयोग करके द्वंद्वी को पछाडने की कोशिश की जाती है। ऐसे ही, कटाकारीपायट्टू के तहत लंबी स्टिक का उपयोग किया जाता है और ओपोनेंट को धकेलने का प्रयास किया जाता है। कलरीपायट्टू में चूरवापायटू में स्टिक का प्रयोग, ओटावापायट्टू में वैटन का प्रयोग, मेटल हथियार के तहत भाल का प्रयोग जिसे एक प्रकार से तलवार भी कहा जाता हैं, संघर्ष के तहत वेरूपखाई, कतारपायट्टू तथा विभिन्न प्रकार के इवेंट कलरीपायट्टू में आयोजित किए जाते हैं। कलरीपायट्टू के मेपायट्टू इवेंट में लचीले शरीर की तकनीक, चूवादुकाल के तहत हीप मूबमेंट और स्टेप, चवेटीपोंगल में थाई कीक, कैपोरू में बिना हथियार के संघर्ष, उर्मी विशाल में लचीली तलवार की लड़ाई, वल्लमपरिचयम के तहत तलवार व ढाल का संघर्ष शामिल है। कलरीपायट्टू एक स्वदेशी खेल है और इसमें शरीर की एक्सरसाइज व प्रशिक्षण होने के साथ-साथ चिकित्सा का भी ऐलीमेंट हैं। मर्म चिकित्सा के तहत शरीर के 107 प्वाइंट में एनर्जी देने का उपचार, थीरूमल में पैरों से लेकर पूरे शरीर में रोप मालिस तथा व्यायाम चिकित्सा में फिॅजीकल एक्सरसाइज की जाती है। इसके अलावा, कलारी चिकित्सा में आयुर्वेद के आधार पर चिकित्सा की जाती है। कलरीपायट्टू खेल में खून का संचार हृदय से लेकर पूरे शरीर में होने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और स्वस्थ शरीर बना रहता है।

उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने हरियाणा की ऑनलाइन शिक्षक स्थानांतरण नीति की सराहना करते हुए कहा है कि 2023 तक उत्तराखंड पूरी तरह से हरियाणा की ऑनलाइन शिक्षक स्थानांतरण नीति को अपना लेगा ।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान करीब साढ़े 11 सौ खिलाड़ी चोटिल हुए। इन खिलाड़ियों के लिए फिजियोथेरेपिस्ट सहारा बने। उनका तत्काल इलाज किया गया।

शिवालिक की पहाड़ियों में हरड़ उत्पादन

सुरेंद्र सिंह मलिक

शिवालिक की पहाड़ियों में हरड़ की खेती आज भी होती है। अमृतसर मंडी के रास्ते अफगानिस्तान तक हरड़ का कारोबार होता रहा है। वैश्विक प्रभावों के चलते अब यह कारोबार बहुत कम हो गया है। इस क्षेत्र में अदरक, हल्दी व आंवला का उत्पादन भी खासा हो रहा है। 65 वर्षीय किसान टीकाराम हरड़ की खेती करते हैं। ग्रामीणों ने (वैदों के अनुसार हरड़ माता) गांव में पांच हजार के करीब हरड़ के पेड़ लगा कर इनकी खेती प्रारंभ की हुई है। टीकाराम निमंत्रण पर हिमाचल यूनिवर्सिटी में हरड़ के व्याख्यान के लिए भी जाते रहते हैं।

वे बताते हैं उनकी हरड़ पाकिस्तान और अफगानिस्तान जाती रही है। हरड़ का अच्छा खास व्यापार होता था। इसी कड़ी में पहले किसान अमृतसर जाकर व्यापारियों को माल देते थे। व्यापारियों में प्रतिस्पर्धा के चलते अच्छे दाम मिल जाते थे। लेकिन जब से अमृतसर से लाहौर जाने वाली ट्रेन बंद हुई है तब से किसानों के पास माल जमा है। कुछ किसान रोज़ी रोटी चलाने के लिए नेचुरल हर्बल और अन्य प्राइवेट कंपनियों को माल देते है जहां भाव उतना नहीं मिलता जितना की वे उम्मीद करते हैं।

पंचकूला से करीब 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित गांव राजी टिकरी के किसान टीका राम की जो हरड़ के पारखी ही नहीं अच्छे किसान भी है। इन्हें हरड़ उत्पादन में कई बार सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है। उन्होंने पाचं एकड़ में हरड़ के 500 पेड़ लगाये हुए हैं। कहते हैं हरड़ की खेती करना बड़ा ही चुनौती पूर्ण कार्य है लेकिन अन्य कोई रोज़गार ना होने से इस चुनौती को उन्होंने स्वीकार कर रखा है। उनके गांव के 70 प्रतिशत किसान हरड़ ,अदरक, आवला व हल्दी की खेती करते हैं। उनके अनुसार आयुर्वेद के बाजार में हरड़ की अच्छी खासी मांग होने के कारण किसानों की जीविका चल जाती है।

वे कहते हैं 22 वर्ष पहले बागवानी विभाग से ग्राफटिंग विधि से तैयार किये गये पौधे हिमाचल प्रदेश से डॉ यशवंत सिंह परमार व सोलन से डॉ,कमल शर्मा व डॉ संजीव ठाकुर की देख रेख में खेती करनी प्रारंभ की।अब परिणाम बेहतर आये हैं।

विदेशों में हरड़ की अच्छी मांग है। कम पानी में पैदावार ज्यादा मिलती है। यहां की ज यादातर फसल बारिश पर आधारित है। पानी का अन्य कोई जरिया ना होने से वे अगर बारिश सही समय पर हो जाये तो एक एकड़ में 2 क्विंटल के करीब हरड़ का फल निकल जाता है। मौसम अच्छा हो तो एक पेड़ से करीब 50 क्विंटल फल निकल आता है। वैसे तो बाजार में कई तरह की हरड़ की किस्में मौजूद है लेकिन आधुनिक किसान पी 1, पी 2 के अलावा कोठी, कलर आदि की खास तौर पर खेती करते हैं। आम तौर पर हरड़ के पेड़ की ऊंचाई 50 फुट के करीब होती है व 12 से 15 वर्ष के लंबे अर्से के बाद पेड़ फल देने लगता है। फिर यह क्रम लंबे समय तक जारी रहता है। हरड़ के पेड़ से फल लेने के बाद करीब एक महीना रोजाना डेढ़ घंटा छांव में सुखाना पड़ता है। बाजार में ले जाने से पूर्व उसे लोहे की कढाई में रेत में डालकर पकान पड़ता है। एक बार कम से कम 25 किलों हरड़ को कढाई में डालते हैं व 15-20 मिनट के बाद जब रंग पीला पड़ जाता है व पक जाती है तो तभी बाहर निकालते हैं। सैंकड़ों किसान उनके संगठन के साथ जुड़े है।

धान बीजाई व रोपाई

प्रदेश में 12 लाख 50 हजार हैक्टेयर में धान की रोपाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। किसान भी इस बार आश्वस्त हैं कि बरसात अच्छी होगी। मौसम संबंधित सूचना देने वाली प्राईवेट एजैंसियों का कहना है कि इस बार हरियाणा में 98 प्रतिशत से ज्यादा बारिश हो सकती है जो सामान्य से ज्यादा है।

कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक धान की खेती के लिए खेत की 2 से 3 बार जुताई करें व मेड़बन्दी पर ध्यान दें। इससे खेत में वर्षा का पानी अधिक समय के लिए संचित होगा। धान की रोपाई के लिए एक सप्ताह पूर्व खेत की सिंचाई कर देना चाहिए। वहीं खेत में खरपतवार होने के बाद इसके पश्चात ही बुआई के समय ही खेत में पानी भरकर जुताई कर दें। सीधी बिजी धान में मौसम के अनुसार सिंचाई के 7-15 दिन बाद लगाएं। आगामी सिंचाई सप्ताह के अंतराल पर लगाएं।

बीज की मात्रा

धान की सीधी बुआई में बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर लगभग 8.0 कि.ग्राम. उपयुक्त है। बीज का उपचार सिफारिश शुदा दवाओं के धोल का उपयोग करें । अगर किसान नर्सरी बनाने से पहले बीज का शोधन करें तो और फायदा होता है। इस विधि से भूमि एवं जल संसाधन संरक्षण के साथ-साथ मजदूरी एंव उर्जा की बचत होती कृषि वैज्ञानिक कहते हैं कि बीज को 1-2 घंटा छाव में सुखा कर रखें ताकि अतिरिक्त नमी उड़ जाये व बीज ड्रिल द्वारा बिजाई योग्य हो जाये।

सीधी बिजाई

कृषि वैज्ञानिक मानते हैं कि किसान धान की सीधी विधि का इस्तेमाल करके कम लागत में अच्छी फसल और मुनाफा दोनों प्राप्त कर सकते है। इस विधि से खेत की जुताई और रोपाई लागत में भी कमी आती है। अगर अपने खेत में मोटे दानों वाले धान की खेती करना चाहते हैं, तो आपको सीधी विधि का उपयोग करना चाहिए. क्योंकि इस विधि से किसान 1 एकड़ जमीन के लिए 12 से 14 किलोग्राम बीज की जरूरत पड़ेगी। इस विधि में स्टेल बैड तकनीक से खरपतवारों का प्रकोप कम करने हेतु स्टेल बैड तकनीक लगाकर या वर्षा से खरपतवारों व जुताई कर शाकनाशकों राऊंड अप अपनाएं।

पंचकूला से कृषि विभाग के उप निदेशक रोहतास ने बताया की धान की सीधी बुवाई किसानों में इन दिनों ज्यादा लोकप्रिय हो रही है और किसान इससे लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया की प्रदेश में संकर धान 1,जया, पीआर 106, एचके आर 127,26 के अलावा तरावड़ी बासमती, बासमती सीएसआर 30 ,पूसा बासमती 1, पूसा बासमती 1121 प्रमुख किस्में हैं। उनके अनुसार उन्नत किस्मों के चुनाव के साथ-साथ रोपाई के समय और रोपाई करने की दूरी का भी ध्यान रखना आवश्यक है। खेत में रासायनिक खादों के साथ-साथ हरी खाद व गोबर की खाद का इस्तेमाल भी अवश्य करें। खरपतवारों की रोकथाम उचित ढ़ग से करें। कीड़ों व बीमारियों की नियमित रूप से निगरानी करते रहें तथा समय पर उनकी रोकथाम के उचित उपाय करें।

संवाद ब्यूरो

बहुत गुणकारी है आंवला

आंवले को मनुष्य के लिए प्रकृति का वरदान कहा जाता है। इसकी उत्पत्ति और विकास मुख्य रूप से भारत में मानी जाती है। जब भी मौसम बदलता है तो आमतौर पर गले में खराश की परेशानी होने लगती है या कई बार असमय खाने या कुछ भी गलत खा लेने पर अपच की समस्या हो जाती है। ऐसे में आंवला काफ़ी फ़ायदेमंद है। यह एक बेहतरीन औषधि है। आंवले का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए बहुत फ़ायदेमंद होता है। आंवले में संतरे से कही ज़्यादा विटामिन सी पाया जाता है, जो कई बीमारियों से लड़ने में मददगार होता है। इसमें विटामिन सी के अलावा जिंक, आयरन, कैरोटीन, फाइबर, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट्स आदि मिलते हैं। आंवला के नियमित सेवन से आप कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं।

आंवला के फायदे

» आंवला का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक होता है, क्योंकि आंवले का सेवन कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है। साथ ही आंवले में पाये जाने वाला विटामिन-सी रक्तवाहिनी को संकुचित होने से रोकता है, जिससे रक्त का दबाब भी सामान्य रहता है।

» आंवला रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है, अतः ये कैंसर को रोकने में मदद करता है क्योंकि इसमें कैंसर रोधी तत्व पाये जाते हैं।

» आंवला मधुमेह को दूर करने के साथ-साथ रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।

» इसमें विटामिन और खनिजों पदार्थों की मात्रा भरपूर होती है। इसमें पाये जाने वाला रसायन गुण दिमाग को एकाग्र करने में मदद करता हैं।

» आंवला खाने से शरीर में प्रोटीन का स्तर अधिक होता और नाइट्रोजन संतुलित होता है, जिससे वसा कम होती है और वज़न घटाने में मदद मिलती है।

» जो लोग मसालेदार खाना खाते हैं उनको बवासीर जैसी समस्या हो जाती है।अक्सर इसके लिए आंवला का उपयोग लाभ पहुंचाता है।

» आंवला में कैल्शियम की मात्रा होती है। जिससे यह हड्डियों को मज़बूत करता है और जोड़ों के दर्द से भी मुक्ति दिलाता है।

» नाक से खून बहने की समस्या अनेक कारणों से हो सकती है। इसमें आंवला फायदेमंद होता है।

» आंवला आंखों से जुड़ी समस्याओं के लिए भी फ़ायदेमंद होता है। इससे आंख की रोशनी तेज़ होती है और आंखों में खुजली या आंख से पानी गिरने की समस्या दूर होती है।

» पेट में जलन और गैस की समस्या से निज़ात पाने के लिए आंवले का सेवन लाभदायक है।

» आंवले का सेवन खून को साफ़ करने में सहायता करता है। अतः आंवला अशुद्ध खून से होने वाले रोगों से राहत दिलाने में फ़ायदेमंद होता है।

» पाचन क्रिया को अच्छा करने के लिए भी आंवला खाना अच्छा रहता है।

» महिलाओं में प्रजनन शक्ति बढ़ाने तथा गर्भ धारण करने में सहायता करता है।

» महिला को मासिक धर्म में परेशानी होती है तो आंवला का सेवन इसमें लाभदायक होता है।

» शरीर के पित्त, वात और कफ को संतुलित करने में मदद करता है।

» आंवले का उपयोग नसों की कमज़ोरी दूर करने में सहायक होता है, क्योंकि आंवले में रसायन का गुण पाया जाता है। रसायन का गुण नसों में समय के साथ हो रहे परिवर्तनों यानि डिजेनरेशन को नियंत्रित कर कमजोरी दूर करता है।

» आंवला की तासीर ठंडी होती है और इसमें एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल गुण होते हैं, जिससे यह त्वचा को कई प्रकार के रोगों से बचाता है। आंवला में मौजूद विटामिन सी मेलेनिन के निर्माण को भी रोकने में मदद करता है, जिससे यह त्वचा पर निखार लाता है।

» आंवला में विटामिन ई पाया जाता है जिससे बालों का झड़ना कम करता है तथा बालों को घना बनाता है। साथ ही साथ विटामिन सी होता है, जो बालों को सफेद होने से रोकता है।

» आंवला की पत्तियां और फल दोनों ही मुंह से संबंधित रोगों में फ़ायदेमंद होते है। आंवला की पत्तियों का प्रयोग दांतो की मज़बूती के लिए किया जाता है साथ ही फल का प्रयोग मसूड़ो यानि गम्स से संबंधी रोगों में फ़ायदेमंद होता है।

आंवला के नुकसान

» आंवला एक बेहतरीन फल है, लेकिन इसके अत्यधिक प्रयोग से आ सकने वाली परेशानियां निम्नलिखित हैः

» अत्यधिक आंवला खाने से लिवर को नुकसान पहुंच सकता हैं। खासतौर से अगर इसका सेवन आंवले और अदरक के साथ किया जाये तो, इससे आपका लिवर प्रभावित हो सकता है।

» अधिक आंवला खाने से एसिडिटी व कब्ज़ की समस्या हो सकती है।

डॉ. आश्मा खान, डॉ.सरोज ग्रेवाल, डॉ. संदीप रावल

पंचकूला के बाद मध्यप्रदेश के स्मार्ट सिटी इंदौर में खेलो इंडिया का आयोजन होगा। पांचवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए खिलाड़ी अब इंदौर में मिलेंगे। खिलाड़ियों का पंचकूला में दो सप्ताह तक ठहराव रहा।

हरियाणा के शहरों के साथ लगते ग्रामीण क्षेत्रों को जाने वाली सड़कों को जल्द ही फोर लेन का किया जाएगा ताकि उन पर आवागमन और अधिक सुगम हो सके।

मुख्यमंत्री आवास कहलाएगा 'संत कबीर कुटीर'

रोहतक में आयोजित संत कबीर दास जयंती समारोह

पद्मश्री प्रहलाद सिंह टिपानिया के भजनः समारोह का विशेष आकर्षण मध्य प्रदेश से विशेष तौर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निमंत्रण पर आए पद्मश्री प्रहलाद सिंह टिपानिया रहे, जिन्होंने संत कबीर दास के शांति व सद्भाव का संदेश पूरी संगत को दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार ने संत रविदास, डॉ भीमराव अंबेडकर, महर्षि कश्यप व संत कबीर दास जैसे महापुरुषों की जयंती सरकारी तौर पर मनाने का निर्णय लिया है ताकि इन महापुरुषों के समाज को जोड़ने वाले संदेश को जनता तक पहुंचाया जा सके।

प्रदेश में संत-महात्माओं की जयंती सरकारी तौर पर मनाई जा रही हैं। रोहतक नई अनाज मंडी में संत कबीर दास जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित हुआ जिसमें हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़ कर शिरकत की। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कई बड़ी घोषणाएं की।

संत कबीर जी के जन्मस्थान बनारस की जो भी कोई यात्रा करना चाहता हो उसके लिए रेलवे का किराया सबको दिया जाएगा। वहीं प्रदेश में किसी एक संस्थान का नाम संत कबीर के नाम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ के उनके सरकारी आवास का नाम भी संत कबीर कुटीर किया जाएगा।

कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षणः मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन में केंद्र की तरह कैडर के हिसाब से आरक्षण का प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के जितने भी शिक्षण संस्थान, धर्मशालाएं ना केवल अनुसूचित जाति बल्कि पिछड़े समाज की हैं, उनमें एक कमरा उपलब्ध होने पर शिक्षा विभाग द्वारा पुस्तकालय की व्यवस्था करवाई जाएगी।

सोलर प्लांटः मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग समाज की धर्मशालाओं में पांच किलोवाट का सोलर प्लांट लगाने में 75 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। एनआईटी और आईआईटी में आरक्षण की व्यवस्था के लिए केंद्र से बात की जाएगी। इसके साथ ही, समाज की साढ़े पांच एकड़ जमीन में शिक्षण संस्थान की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जमीन में कोई भी एक प्रोजेक्ट जो 51 लाख रुपए तक का हो, उसे सरकार द्वारा बनाया जाएगा।

कमजोर वर्गों के सर्वांगीण विकास का लक्ष्यः मनोहर लाल ने कहा कि संत कबीर दास जी धार्मिक एकता के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने मानव मात्र से प्रेम का संदेश दिया। उनके अनुयायी आज भी उनकी वाणी का प्रचार कर रहे हैं। उनकी शिक्षाएं समाज की धरोहर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम संत कबीर के सिद्धांतों के अनुरूप अंत्योदय को वचनबद्ध हैं। उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कमजोर वर्गों का सर्वांगीण विकास ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगा।

विचार सम्मान एवं प्रसार योजनाः उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि जात-पात के भेदभाव को भूलकर मानवमात्र से प्रेम करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' शुरू की गई है। इसके तहत संत-महापुरुषों की जयंती पर राज्य स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व पर राज्य स्तरीय समारोह, श्री गुरु नानक देव जी व श्री गुरु गोविन्द सिंह जी के प्रकाश पर्व पर भी राज्य स्तरीय आयोजन किया है। इसी तरह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 'पराक्रम दिवस' और संत कबीर दास जी की जयंती भी इसी कड़ी का भाग है।

बागवानी परियोजना से 3 लाख किसान लाभान्वित होंगे

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी से वित्तपोषण की स्वीकृति

हरियाणा में बागवानी मूल्य शृंखला सृजित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी से 2,600 करोड़ रुपए के वित्तपोषण को स्वीकृति प्रदान की है, जिसका भविष्य में किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने स्थायी वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के सहयोग से क्रियान्वित यह परियोजना घरेलू बाज़ार में फलों एवं सब्ज़ियों की आपूर्ति शृंखला को मज़बूत करने के साथ-साथ इनका पर्याप्त निर्यात भी सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रत्यक्ष रोज़गार के साथ-साथ पोषण सुरक्षा एवं उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन की डिलीवरी के माध्यम से सुरक्षा, कृषि स्थिरता एवं ग्रामीण समृद्धि के लिए बागवानी 3.0 की परिकल्पना की गई है।

बैठक में बताया गया कि इस परियोजना से तीन लाख किसान विभिन्न प्रकार से लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही, परियोजना की समय-सीमा के भीतर फसलों की कटाई के बाद होने वाले नुकसान में 10-15 प्रतिशत की कमी आएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि हरियाणा को अपनी भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 1,695 पैकहाउस, 3.05 लाख मीट्रिक टन प्याज भंडारण के साथ-साथ शीत भंडारण क्षमता और अन्य संबंधित कृषि आधारित बुनियादी ढांचे के विस्तार की भी आवश्यकता है। अपनी भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन्हें जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के सहयोग से इस परियोजना में समायोजित किया जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जे पी दलाल ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कृषि एवं बागवानी से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सभी किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि परियोजना की यह पहल उत्पाद की गुणवत्ता, ग्रेडिंग और पैकिंग मानकों को बढ़ाने के साथ-साथ किसानों की बाज़ार तक पहुंच को भी बढ़ाएगी।

अंबाला छावनी में 2.54 करोड़ रुपए की लागत से बेहद खूबसूरत स्वागतद्वार तैयार किया गया है। स्वागतद्वार को सिंगल शॉफ्ट पर खड़ा किया गया है जोकि कैंटीलीवर आकार का है।

21 जून को आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ''योगा फॉर ह्यूमैनिटी'' है। योग दिवस पर ''ब्रांड इंडिया ग्लोबली'' और ''शोकेस इट्स आईकोनिक प्लेसिस'' पर फोकस किया गया।

समाज को आलोकित करता हरियाणा का समृद्ध साहित्य

हरियाणवी लोकसाहित्य में अनेक लोक कवि हुए हैं जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों व विसंगतियों पर करारा प्रहार किया। हरियाणा के लोक साहित्य में लख्मीचंद को हरियाणा का सूर्यकवि माना जाता है। उनके समकालीन लोक-कवि मुंशीराम जांडली हुए। हरियाणा के जनजीवन का जैसा चित्र मुंशीराम ने खींचा हैं, वैसा कोई नहीं खींच पाया। वर्ण-जाति का खंडन, किसान मजदूर की व्यथा, आज़ादी का जश्न, गांधी, सुभाष बोस और भगत सिंह की शहादत और विशेष रूप से 1947 के भारत-पाक बंटवारे को लेकर हिन्दू-मुसलमान पलायन के हृदय-विदारक दृश्य इनकी रागनियों के विषय बने।

सोनीपत के सिसाना में जन्मे मांगेराम कई मायनों में एक बेहतरीन सांगी हुए। उन्होंने कई भावनात्मक सांगों की रचना की। वे कथा में भावुक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध थे। उनके शिष्य जयनारायण सांगी और बाद में श्यौनाथ त्यागी और मो. शरीफ ने उनकी परम्परा को जिंदा रखा। 'पिंगला भरतरी', 'जयमल फत्ता', 'गोपीचंद', 'शकुंतला-दुष्यंत', 'कृष्ण-सुदामा', 'अजीतसिंह-राजबाला', 'वीर हकीकत राय', 'रूप-बसंत' आदि इनके ख्याति प्राप्त सांग है।

हरियाणा निर्माण के बाद यदि किसी कवि को हरियाणा का प्रतिनिधि लोककवि कहा जाए तो वे हैं महाशय दयाचंद मायना। दयाचंद मायना का जीवनकाल 1915 से 1993 तक का रहा। वे लगभग छह साल फौज में भी रहे। उनके किस्सों और फुटकल रागनियों में जाति-पांति, किसान-मजदूर का यथार्थ, दलित दमित वर्गों की आवाज़, स्त्री का स्वाभिमान, अंतर्जातीय विवाह, युद्धों में हरियाणा की

भूमिका, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और बनता-बिगड़ता हरियाणा का सच्चा खाका खींचा। उनकी कई रागनियां तो क्लासिकल लोकगीतों के रूप में गाई जाती हैं।

माड़ी कार बुरी करणी आंख्यां की स्याहमी आ ज्यागी।
ये गरीब सताए ज्यांगे तै, फेर गुलामी आ ज्यागी।

सांगी धनपत सिंह निंदाणा हरियाणा के एक अत्यधिक लोकप्रिय सांगी हुए और सन 1979 तक सांग और लोकसंगीत का झंडा बुलंद रखा। 'लीलो-चमन' सांग उनका प्रतिनिधि सांग है। उनके काच्चे श्याम और ठहरो श्याम दो सुप्रसिद्ध शिष्य हुए। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'रूप बंसत', 'अमरसिंह राठौर', 'हीर रांझा', 'गोपीचंद', 'हीरामल जमाल', 'जानी चोर' आदि अनेक सुप्रसिद्ध सांगों की रचना भी की। धनपत के गुरु का नाम जमुआ मीर था और धनपत सिंह निंदाणा के गुरुभाई देसराज के शिष्य देईचंद ने भी कई बेहतरीन सांगों का सृजन किया।

रेवाड़ी के मास्टर नेकीराम ने भी हरियाणा की सांग और लोक साहित्य परम्परा को पर्याप्त समृद्ध किया। उन्होंने 'कीचक वध', 'अमरसिंह राठौर', 'राजा रिसाल', 'चापसिंह-सोमवती', 'भगत पूर्णमल', 'राजा भोज भालवती', 'हीर रांझा', 'सरवर-नीर' आदि सांगों की रचना की।

दयाचंद मायना की शिष्य परम्परा में दो लोककवि उल्लेखनीय हुए - महाशय छज्जूलाल सिलाना और महाशय गुणपाल कासंडा। महाशय छज्जूलाल ने डॉ. अम्बेडकर पर किस्सा रचा जो अत्यधिक लोकप्रिय हुआ। उन्होंने 9 किस्से और अनेक फुटकल रागणियों की रचना की। 'वेदवती-रतनसिंह', 'धर्मपाल-शांति', 'राजा हरिश्चंद्र', 'नौटंकी', 'शहीद भूपसिंह', 'सरवर-नीर', 'सर्वजीत-विद्यावती' आदि इनके अन्य किस्से हैं। गुणपाल कासंडा ने भी अनेक मौलिक कहानियों पर किस्से घड़े। इन्होंने भी कुप्रथाओं और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सृजन किया।

सिंघाना गांव में जन्में मा. दयाचंद आज़ाद का सांग परम्परा में अमूल्य योगदान है। उनका जीवन 1925-1995 तक रहा। छंद, मात्रा और तुक-लय की दृष्टि से बेजोड़ इनकी रागनियां आज़ादी के सपनों और बाद की अविश्वसनीय परिस्थितियों का गहरा अनुभव रखती है।

चंद्रलाल बादी ने सांग विधा को नये आयाम दिये। उनके 'गजना गोरी', 'कमला-मदन', 'मोहना देवी', 'देवर भाभी', 'सत्यवान-सावित्री', 'नौबहार-धर्मदेवी', 'रूपा रेलू राधेश्याम' आदि सांगों ने खूब धूम मचाई।

चंदगी भगाणिया भी राय धनपतसिंह निंदाणा' के शिष्य हुए और उन्होंने भी अनेक सांग श्रृंगार रस से परिपूर्ण लिखे। 'छबीली भठियारी', 'चंदना', 'चांद की कौर', 'उत्तमचंद सत्यवती', 'शाही लक्कड़हारा', 'सेठ ताराचंद', 'ध्रुव भगत' और 'मीराबाई' उनके प्रसिद्ध सांग है। उनके कई सांग उनकी मौलिक कथाओं पर आधारित है।

कृष्ण चंद्र रोहणा कबीर के पारख संप्रदाय से सम्बन्ध रखते हैं। लम्बे समय तक शिक्षक रहे रोहणा जी ने 'सेठ ताराचंद' और 'कबीर' सांग के अतिरिक्त डॉ. अम्बेडकर, जोतिराव फुले और सामाजिक बुराइयों पर अनेक रागनियों का सृजन किया। इनके अलावा ज्ञानीराम शास्त्री, जगत सिंह नारनौंद, मंगतराम शास्त्री, रामेश्वर गुप्ता, रामधारी खटकड़, रामफल 'जख्मी', मुकेश यादव आदि ने भी फुटकल रागनियों के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों पर कटाक्ष किए हैं।

-राजेन्द्र बड़गूजर

सुण छबीले बोल रसीले

अफसर बणन खातर पढ़णा पड़ै जरूर

भतेरी अपने पतिदेव रसीले से बोली- रमलू के बाबू, देखिये अखबार में ये फोटू। ये बालक भी तो किसे के बालक सैं जो इतणे इतणे इतणे नंबर लेकै आपणे मां बाप का नाम रोशन करैं सैं।

-हां ईमली की मां, इन बालकां नै यूपीएससी की परीक्षा पास करी सै।

- यो के हो सै? मेरा मतलब ये पास करे तैं के बणज्या सैं।

- आईएएस बणज्यां सैं। सबतैं बड्डे अफसर। सरकार चाहे स्टेट की हो या देश की। ये अफसर ही चलावैं सैं। सही पूछै तो मंत्री-संतरियां का तो नाम-नाम हो सै। असली काम तो ये अफसर ही करैं सैं।

-हां जी, इतणा बड्डा देश संभालना बोहत टेढ़ा काम होज्या सै। देश बिना के काम, देश बिना के लोग और उनकी अलग अलग सोच। इतणे ढाल के लोगां को संभालना कोए आसान काम कोन्या। पढ़े लिख्या तैं तो निपट लें, अनपढ़ां सैं निपटणा महाभारत होज्या सै। इतणा बड्डा सिस्टम चलाना और संभालना दिमाग आले अफसरां का ए काम हो सै।

-भागवान, पढ़ाई लिखाई की टौर न्यारी ए हो सै। जो बालक मंडकै पढ़ ले सै वो कदे कितो मार ना खावता। जिंदगी भर मौज करै सै। और जो बालक बचपन और जवानी में मेहनत नहीं करता वो बुढ़ापे ताहीं परेशान रहै सै।

-हां रमलू के बाबू, न्यू कहा करैं अक जिंदगी में एक बर तो सबनै संघर्ष करणा पड़ै सै। जवानी तैं पहल्यां करल्यो या जवानी के बाद करल्यो। जवानी तैं पहल्यां होज्या तो बढिया, बुढ़ापे में कोन्या होता। ईब ये बालक जो अफसर बणे सैं ये सारी उम्र मौज मारैंगे। ये क्यों, इनकी आगली पीढी भी मौज करैगी। यो सै पढ़ाई की वैल्यू।

-रमूल के बाबू, स्याणा तो तूं भी भतेरा सै, तू कितोड़ अफसर क्यूं ना लाग्या। गाम आले तो तनै कानून मंत्री भी कहदे सैं।

- भागवान, क्यूं इतिहास के भांडे में डंडा घुमावै सै। जाण दे किमे ना धरा पुरानी बातां में। मेरा तो हो लिया जो होणा था। ईब आपणे रमलू या ईमली कान्या ध्यान दे ले। उननै बणाले अफसर, डाक्टर या इंजीनियर। और स्याणी तो तू भी कम ना सै। तूं क्यूं ना बणी अफसरणी?

-देख किसे तेल किसे छींटे लागे। जाये रोये, मैं तो म्हारे घरक्यां नै पढ़ाई कोन्या, पढ़ाई होती तो आज तेरे धौरै बतोले ना मारती।

-रहाण दे, रहाण दे। इसी पढ़ाकू थी तो ब्याह पाछै पढ़ लेती। किसनै मना करी थी?

-ब्याह होते ही थारे घरक्यां नैं सिर पर गोबर की टोकरी और हाथ में दराती थमा दी थी।

-पढ़ण की नीत होणी चाहिए थी। काम करण आली छोरी ये बहाने ना।

बणाती। वे काम भी करैं सैं और पढ़ैं भी सैं। घर का काम करणा कोय बुरी बात ना होती।

-ठीक सै, ठीक सै। हाम तो बण लिये अफसर, ईब आपणे बालकां कान्या ध्यान दे ले। घर में पढ़ाई का माहौल होणा चाहिए। बेकार बालकां की संगत नहीं होणी चाहिए। बालकां नै प्यार तैं समझा अक मोबाइल फोन तैं दूर रहैं। देख ये बालक जितणे भी आईएएस बणे सैं ना, इनमें त ज्यादातर मोबाइल फोन तैं दूर रहे। मोबाइल फोन राख्या तो काम की बात देखी, फालतू फंड का सौदा ना देख्या। वरना इन बालकां में और म्हारे बालकां में कुछ फर्क सै? बस माहौल की बात सै। और वो बणाना आपणे हाथ में हो सै। छोटी बात ना सोचै और ना टाइम पास करता फिरै। आपणी पढ़ाई तैं मतलब राखै, मेहनत करै और बडी सोच राखै। जिबै किमे कामयाबी मिल सकै सै।

- हां रमलू के बाबू, हरियाणा सरकार नै कोचिंग देणी की एक स्कीम सुपर-100 भी चलाई सै। उसकी तैयारी करी जा सकै सै। और फेर सरकार ने टेबलेट दे दिए। आन लाइन पढ़ण की भी कोई परेशानी नहीं सै। ईब तो सरकारी स्कूलां में पढ़ाई भी बढ़िया हो सै। फीस भी कुछ ज्यादा ना सै। सारी सुविधा मिलैं। देख सरकार तो पढ़ाई खातिर भतेरा काम कर री सै। बालकां की नीयत पढ़ण की होणी चाहिए।

-मैं भी तो न्यूए कहूं था अक तेरी पढ़ण की नीयत होती तो ब्याह पाछै पढ़ लेती। पर नीयत में तो डांगर हांड रे थे। ईब आगी समझ में, अक पढ़ाई बिना कुछ ना सै। भागवान जिब तैं इस सरकार नै काबिलियत के आधार पै नौकरी देण की नीति अपणाई सै जिब तैं बालक पढ़ण लागगे। आए साल म्हारे हरियाणा के घणे बालक डाक्टर, इंजीनियर, अफसर, मास्टर बणन लाग रे सैं। पढ़ण आले पढ़ैं सैं और खेलण आले खेलैं सैं। चाल उठ जाकै धार डोके की तैयारी कर ले, दूधिया आणनै होर्‌या सै।

-मनोज प्रभाकर

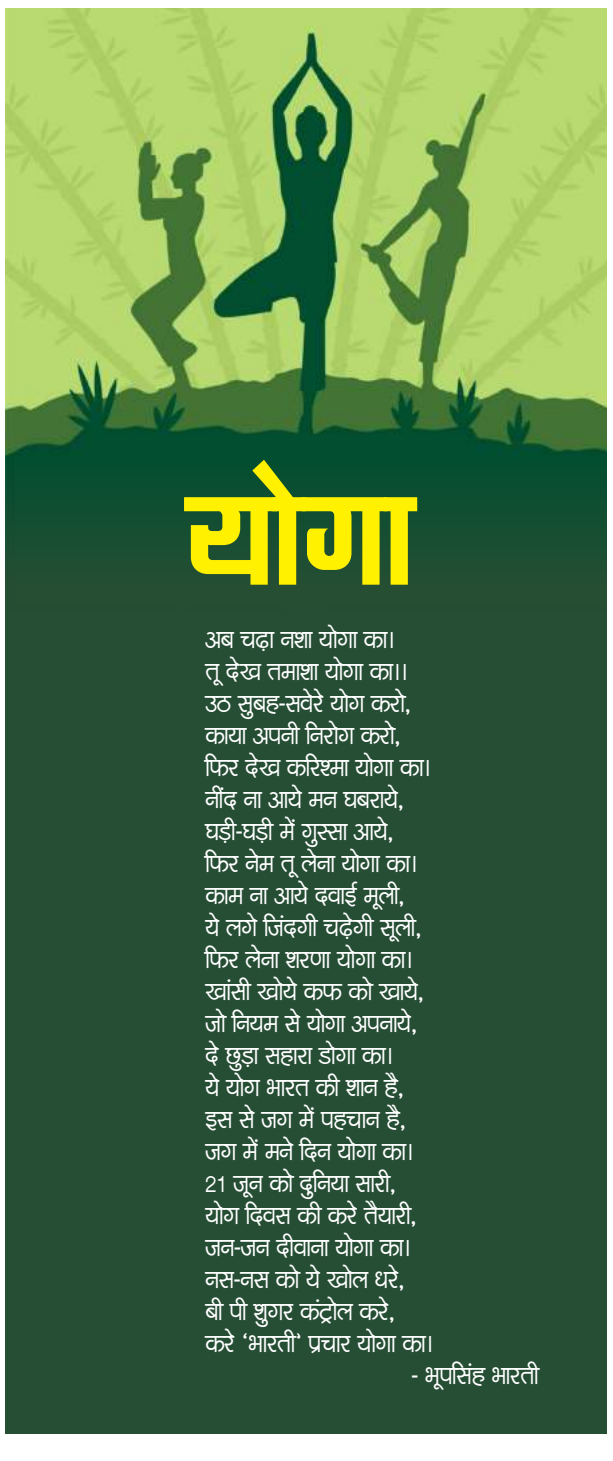

योगा

अब चढ़ा नशा योगा का।
तू देख तमाशा योगा का।।
उठ सुबह-सवेरे योग करो,
काया अपनी निरोग करो,
फिर देख करिश्मा योगा का।
नींद ना आये मन घबराये,
घड़ी-घड़ी में गुस्सा आये,
फिर नेम तू लेना योगा का।
काम ना आये दवाई मूली,
ये लगे जिंदगी चढ़ेगी सूली,
फिर लेना शरणा योगा का।
खांसी खोये कफ को खाये,
जो नियम से योगा अपनाये,
दे छुड़ा सहारा डोगा का।
ये योग भारत की शान है,
इस से जग में पहचान है,
जग में मने दिन योगा का।
21 जून को दुनिया सारी,
योग दिवस की करे तैयारी,
जन-जन दीवाना योगा का।
नस-नस को ये खोल धरे,
बी पी शुगर कंट्रोल करे,
करे 'भारती' प्रचार योगा का।

- भूपसिंह भारती

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com